vinetur

शैम्पेन उत्पादकों ने 2026 की उपज सीमा आधुनिक युग के न्यूनतम स्तर पर तय की

पोस्ट-पैंडेमिक मांग वृद्धि के धीमी पड़ने के बाद, लगातार चौथी कटौती का मकसद भंडार घटाना है।

शुक्रवार, 28 अगस्त 2026


CÀ DEL BOSCO

शैम्पेन ने 2026 के लिए अपनी विपणन योग्य उपज 8,800 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तय की है, जो 2020 की अव्यवस्था को छोड़कर आधुनिक युग का सबसे निचला स्तर है। यह कदम क्षेत्र द्वारा भंडार घटाने की कोशिश के तहत उठाया गया है, ताकि कीमतों या गुणवत्ता को नुकसान न पहुंचे।

यह निर्णय 22 जुलाई को Comité Champagne ने लिया, जो क्षेत्र के growers और houses को एक साथ लाने वाली संस्था है। यह सीमा उन अंगूरों की मात्रा पर लागू होती है जिन्हें बिक्री के लिए वाइन में बदला जा सकता है। Comité ने कहा कि यह स्तर करीब 250 million bottles के बराबर होगा। यह 2025 के 9,000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर, 2024 के 10,000, 2023 के 11,400 और 2022 के 12,000 से कम है। चार फसल वर्षों में अनुमत वाणिज्यिक उपज 26% से अधिक घट गई है।

इस तरह 2026 लगातार चौथी कटौती बन गई है और इस सदी की दूसरी सबसे कम वाणिज्यिक उपज है, महामारी वर्ष के बाद, जब शुरुआती सीमा 8,000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तय की गई थी और बिक्री में सुधार शुरू होने पर साल के अंत में इसे संशोधित कर 8,400 कर दिया गया था। इस बार, समिति ने कहा कि लक्ष्य लगभग 10 million bottles का स्टॉक धीरे-धीरे घटाना है, जबकि दाखबागानों के आर्थिक संतुलन और शैम्पेन नाम को सहारा देने वाले गुणवत्ता मानकों को बनाए रखना है।

Union des Maisons de Champagne के अध्यक्ष और Comité Champagne के सह-अध्यक्ष David Chatillon ने कहा कि क्षेत्र का सामूहिक मॉडल उसे अपीलेशन के दीर्घकालिक मूल्य की रक्षा करते हुए बाजार की परिस्थितियों के अनुसार उत्पादन समायोजित करने की अनुमति देता है। Syndicat Général des Vignerons के अध्यक्ष और CIVC के सह-अध्यक्ष Maxime Toubart ने इस कदम को एक संतुलित निर्णय बताया, जो दाखबारी की स्थितियों और क्षेत्र की भविष्य की जरूरतों, दोनों को दर्शाता है।

बाजार की पृष्ठभूमि इस सावधानी को समझाती है। शिपमेंट वॉल्यूम धराशायी नहीं हुए हैं, लेकिन अब वे उस गति से नहीं बढ़ रहे हैं जो महामारी के बाद की वापसी के दौरान देखी गई थी। 2026 के पहले छह महीनों में शिपमेंट 107.1 million bottles तक पहुंच गए, जो एक साल पहले की समान अवधि से 1.2% अधिक है। वृद्धि की अगुवाई निर्यात ने की, जबकि France में बिक्री स्थिर रही। अगर यही रफ्तार दूसरे हाफ में भी बनी रहती है, तो सालाना शिपमेंट करीब 269 million bottles तक पहुंचेंगे, जो 2025 में दर्ज 266 million से थोड़ा अधिक होगा। फिर भी, यह 2025 में 2024 के 271 million bottles से 2% की गिरावट के बाद आएगा, जिससे क्षेत्र के सामने स्थिर मांग और अब भी ऊंचे स्टॉक के बीच बहुत छोटा अंतर रहेगा।

व्यापक पेय कारोबार के लिए इसका महत्व उत्तर-पूर्वी फ्रांस से आगे तक जाता है। शैम्पेन प्रीमियम स्पार्कलिंग वाइन व्यापार के लिए एक मानक बना हुआ है, और उपज तथा स्टॉक प्रबंधन पर लिए गए फैसले इस श्रेणी में मूल्य-निर्धारण को सहारा दे सकते हैं। यदि अधिकृत वॉल्यूम कम स्तर पर बने रहते हैं, तो वे निर्यात बाजारों में उपलब्ध शैम्पेन की मात्रा को भी प्रभावित कर सकते हैं और कुछ मांग को अन्य स्पार्कलिंग वाइनों की ओर मोड़ सकते हैं, हालांकि यह असर अभी स्पष्ट नहीं है।

उत्पादन में यह कटौती एक कठिन बढ़ती मौसम के दौरान भी आई है। उद्योग अधिकारियों ने 2026 के साल को असमान और नाज़ुक बताया है, जिसमें वसंत की पाला मार, जून में अत्यधिक गर्मी और हाल की शुष्क परिस्थितियाँ शामिल हैं। मौसम का दबाव दाखबागान के अलग-अलग हिस्सों में काफी अलग रहा है। कृषि-वैज्ञानिक उपज के शुरुआती अनुमान, यानी किसी भी वाणिज्यिक सीमा के लागू होने से पहले बेलों पर शारीरिक रूप से मौजूद अंगूरों की मात्रा, करीब 10,000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थे। बाद में इन अनुमानों को घटाकर 7,000 से 8,000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की सीमा तक लाया गया है, जो आने वाले हफ्तों में बारिश पर निर्भर करेगा।

अगर ये कम अनुमान सही साबित होते हैं, तो वास्तविक फसल वाणिज्यिक सीमा से भी नीचे रह सकती है, जिससे शैम्पेन में आमतौर पर दिखने वाली स्थिति उलट जाएगी, जहां बाजार सीमा अक्सर उत्पादन पर मुख्य लगाम का काम करती है।

ऐसी स्थिति में 2026 का अभियान सिर्फ एक कारोबारी फैसले से ही नहीं, बल्कि मौसमजनित नुकसान से भी सीमित होगा। growers और houses के लिए इससे फल की गुणवत्ता और sourcing को लेकर दांव बढ़ जाते हैं, ऐसे समय में जब लागतें ऊंची बनी हुई हैं और कई कंपनियां खुदरा कीमतों पर ज्यादा दबाव डाले बिना मार्जिन बचाने की कोशिश कर रही हैं।

फसल की कटाई खुद रिकॉर्ड के सबसे शुरुआती समय में से एक होने की उम्मीद है। तोड़ाई शुरू करने की आधिकारिक तारीख शनिवार, 15 अगस्त तय की गई थी, जबकि मुख्य काम 20 अगस्त से 25 अगस्त के बीच केंद्रित रहने की उम्मीद है, जो ऐतिहासिक औसत से लगभग 10 से 15 दिन पहले है। गर्म परिस्थितियों के कारण पकने की प्रक्रिया तेज होने से पहले की कटाइयाँ अब अधिक आम हो गई हैं, लेकिन 2026 का समय-निर्धारण फिर भी एक ऐसे क्षेत्र में अलग दिखाई देता है, जहाँ फसल से जुड़े फैसले शैली और मात्रा, दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

इसी बीच, क्षेत्र ने France के कृषि मंत्रालय के साथ एक अलग लचीलेपन के उपाय पर बातचीत शुरू की है, जिससे harvesters को अपनी जरूरतों के 15% तक को कवर करने वाले अंगूर खरीदने की अनुमति मिल सकेगी। इससे कुछ उत्पादकों को कम उपज के असर को संभालने की गुंजाइश मिलेगी, खासकर उन लोगों को जिनके पास अपना फल कम है या जो कम फसल के जोखिम के अधिक संपर्क में हैं। इस अनुरोध को मंजूरी मिलती है या नहीं, यह छोटे संचालकों और पर्याप्त आपूर्ति सुरक्षित करने की कोशिश कर रहे houses, दोनों के लिए अहम हो सकता है, जबकि क्षेत्र वॉल्यूम पर अंकुश लगाए हुए है।

Épernay से संदेश यही है कि शैम्पेन बाजार को कमजोर करने वाले अतिरिक्त स्टॉक का जोखिम उठाने के बजाय उत्पादन पर कड़ा नियंत्रण बनाए रखना पसंद करेगा। 2026 में यह रणनीति एक ऐसे बढ़ती मौसम से टकरा रही है, जो शायद पहले ही वाणिज्यिक सीमा से कम अंगूर दे रहा है।